

15

ਗੁਰਪਾਲ ਕੌਰ,
ਤ ਪਿਛੇ ।

卷之三

अपिताती निदेश,
तूपना स्व लोकं समर्पय, विमाग,
उत्तरायेत् देहरादुन ।

तुपना अनुभाग

देहरादून- दिनांक- १८ अगस्त, २००१

प्रिया: उत्तरार्धम् प्रैत-पृथिवीनि पि गान्धता नियमावली-200। एवं उत्तरार्धम् प्रिया पन
गान्धता नियमावली 200। का पुरुषान् ।

四

ग्रन्थालय उत्तरार्धम् राज्य के जनपदों में सूचना तत्त्व का प्रभावी सर्व उत्तरार्धम्
ज्ञाने हेतु उत्तरार्धम् फ्रेश-कृतिगिरि भान्यता निष्पादनी-2001 एवं उत्तरार्धम् पिण्डार्थ
भान्यता निष्पादनी-2001 का विप्रान्वयन जिये जाने हेतु श्री राज्यपाल महोदय सर्व
स्वीकृति ग्रन्थान् करो है ।

2. इस सम्बन्ध में मुझे लगते का निर्देश हूआ है कि सम्यक 'प्रियारोपरान्त' पड़ निर्णय लिया गया कि उत्तरार्धेत प्रेष-प्रतिनिधि मान्यता नियमावली-2001 एवं उत्तरार्धेत प्रियारोपन मान्यता नियमावली-2001 लगता: अनुलग्नक-। तथा अनुलग्न-2 में उल्लिखित नियमों पर अधिकार कार्यपादी त्रिविधि छठो दूसरे भागों को ग्रहण कराने का क्षण करें।

यह भी आगा कराना है कि नियमाधिकारों के पुस्तक-ग में उपर्युक्त प्रस्ताव इन शैक्षिक सेवाओं के लाभ तदीकार लिये गये कि उत्तराधिकार प्रैव-प्रतिभिन्नता नियमाधिकारों-2001 के नियम-3 में पैदा पान्चांश तदिति लाभ उत्तराधिकार प्रशासन पान्चांश नियमाधिकारों-2001 के नियम-3 में लियाएव लान्चिटा तदिति में 5-सदस्यों के स्थान पर उम से उम 5 तदस्य लाभ उपर्युक्तव । । अद्यरुप रूपे जाये ।

ଶାନ୍ତିଚ.

दुष्कृति
त पितृ

संख्या-780/परिवहन/2001-296-संघीय/2001 तदुदिनांकित । 1/22

परिलिपि निम्नलिखित हो तथनार्थ सर्व आवश्यक कार्यवाही देय प्रेषिता:

१. तपिय, महामहिय राज्यपाल, उत्तरांगन ।
 २. महालेखाकार उत्तरांगन, इलाहाबाद ।
 ३. शमश्त प्रमुख तपिय/तपिव उत्तरांगन भारत ।
 ४. गोपनीय वर्षीय परिषद्वारे झुमाग ।
 ५. गार्ड अर्टिस्ट राजना झुमाग उत्तरांगन भारत
 ६. झुमाग निटेशन ट्रालिंग ग्राफिक्स एवं डिजिटल सिनेमा के लिए जानी जाने वाले हैं ।